संपादकीय

भटके विमर्श का नतीजा

इस सारे विवाद की जड़ में पहचान की राजनीति और उस सियासत से जुड़े फायदे हैं। लेकिन ऐसी राजनीति में विभिन्न समुदायों के बीच टकराव खड़ा होना लाजिमी होता है। मणिपुर में वैसा ही टकराव देखने को मिला है।

मणिपुर की घटनाओं ने आखिरकार पूरे देश का ध्यान खींचा है। वैसे तो मणिपुर पूरे अप्रैल में सुलगता रहा, लेकिन राष्ट्रीय मीडिया ने उसकी खबर नहीं ली। जब बीते हफ्ते वहां हिंसा की आग भडक़ उठी, तब सबका ध्यान उस ओर गया। जबकि वहां जो हिंसा देखने को मिली है, उसकी जड़ तो मार्च में ही पड़ चुकी थी। राज्य के बहुसंख्यक मैतेयी और आदिवासी समुदाय के बीच तनाव की जड़ें पुरानी है। मार्च में हा ईकोर्ट के एक फैसले ने इस तनाव को और बढ़ा दिया। गैर-आदिवासी मैतेयी समुदाय की आबादी राज्य में करीब 53 फीसदी है। यह समुदाय लंबे अरसे से अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग कर रहा है। मैतेयी समुदाय की दलील है कि अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिलने के बाद वे लोग राज्य के पर्वतीय इलाकों में जमीन खरीद सकेंगे। फिलहाल वे लोग मैदानी इलाको में तो जमीन खरीद सकते हैं, लेकिन पर्वतीय इलाको में जमीन खरीदने का उनको अधिकार नहीं है। आदिवासी समुदाय उसकी इस मांग का विरोध करता रहा है।

आदिवासी संगठनों का कहना है कि ऐसा होने पर मैतेयी समुदाय उसकी जमीन और संसाधनों पर कब्जा कर लेगा। आदिवासी संगठनों को चिंता है कि अगर मैतेयी समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिल गया को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों से आदिवासियों को वचित होना पड़ेगा। राज्य की कुल आबादी में 40 फीसदी आदिवासी हैं। इनमें नागा और कुकी समुदाय भी शामिल है। जाहिर है, इस सारे विवाद की जड़ में पहचान की राजनीति और उस सियासत से जुड़े फायदे हैं। लेकिन ऐसी राजनीति में विभिन्न समुदायों के बीच टकराव खड़ा होना लाजिमी होता है। फिलहाल, उसका ही एक नतीजा मणिपुर में देखने को मिला है। उचित ही भाजपा की राजनीति सामुदायिक पहचान केंद्रित राजनीति को इस हाल के लिए एक हद तक जिम्मेदार माना गया है। आरोप है कि पार्टी चुनाव के समय तो तमाम आदिवासी संगठनों के नेताओं को दिल्ली बुलाकर उनसे ऊंचे वादे करती हैं। लेकिन चुनाव बाद उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है। उससे आदिवासी नाराज रहे हैं। हाई कोर्ट के निर्णय के बाद वो नाराजगी उबल पड़ी है।

तीन जन सुरक्षा योजनाएं आम लोगों की भलाई के लिए समर्पित : सीतारमण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के 8 साल पूरे होने पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने आज कहा कि ये तीन जन सुरक्षा योजनाएं नागरिकों की भलाई लिए समर्पित हैं और अप्रत्याशित जोखिमों, हानियों और वित्तीय अनिश्चितताओं के खिलाफ मानव जीवन को सुरक्षा प्रदान करती हैं।

पीएमजेजेबीवाई के अब तक कुल 16 करोड़ से अधिक नामांकन, पीएमएसबीवाई में अब तक कुल 34 करोड़ से अधिक नामांकन और एपीवाई के लिए 5 करोड़ से अधिक लोगों ने नामांकन करा चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई का शुभारम्भ 9 मई, 2015 को कोलकाता से किया था। ये तीनों योजनाएं नागरिकों के कल्याण के लिए समर्पित हैं, जो अप्रत्याशित घटना और वित्तीय अनिश्चितताओं से मानव जीवन को सुरक्षित करने की आवश्यकता को पूरा करने के लिए हैं। सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि देश के असंगठित वर्ग के लोग वित्तीय रूप से सुरक्षित रहे, दो बीमा योजनाएं शुरू कीं – पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई। इसके साथ ही सरकार ने वृद्धावस्था की जरूरतों को पूरा करने में मदद के लिए अटल पेंशन योजना- एपीवाई भी शुरू की।

श्रीमती सीतारमण ने इन तीनों जन सुरक्षा योजनाओं के पीछे की परिकल्पना को याद करते हुए कहा, वर्ष 2014 में राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन मिशन को यह सुनिश्चित करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ शुरू किया गया था कि भारत के प्रत्येक नागरिक की पहुंच बैंकिंग सुविधाओं, वित्तीय साक्षरता और सामाजिक सुरक्षा कवरेज तक बढ़े और देश में वित्तीय समावेशन को और बढ़ावा देने के उद्देश्य से इन तीन जन सुरक्षा योजनाओं की शुरुआत की गयी थी।

वित्त मंत्री ने कहा कि ये तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाएं नागरिकों की भलाई के लिए समर्पित हैं, जो अप्रत्याशित जोखिमों, हानियों और वित्तीय अनिश्चितताओं की स्थिति में मानव जीवन की सुरक्षा के महत्व को स्वीकार करती हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य वंचित पृष्ठभूमि के लोगों को आवश्यक वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है, जिससे उनकी वित्तीय कमजोरी दूर किया जा सके। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि 26 अप्रैल 2023 तक पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई के तहत क्रमश: 16.2 करोड़, 34.2 करोड़ और 5.2 करोड़ नामांकन किए गए हैं।

पीएमजेजेबीवाई योजना के बारे में वित्त मंत्री ने बताया कि इस योजना ने 6.64 लाख परिवारों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है और बीमा दावों के रूप में इन परिवारों को 13,290 करोड़ रुपये मिले। इसी तरह से पीएमएसबीवाई योजना के तहत 1.15 लाख से अधिक परिवारों को 2,302 करोड़ रुपये के दावे प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई दोनों योजनाओं के लिए दावा प्रक्रिया को आसान बनाने की वजह से दावों का तेजी से निपटान हुआ है।

उन्होंने कहा यह देखना उत्साहजनक है कि इन योजनाओं को अधिकतम लोगों तक पहुंचाने के लिए लक्षित दृष्टिकोण के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ता से समर्पित है कि इन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पूरे देश में प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे।

वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत किशनराव कराड ने कहा, सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बीमा सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक लक्षित दृष्टिकोण अपनाया है और योजना के तहत पूरे देश में पात्र लाभार्थियों को कवरेज प्रदान करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में अभियान चलाए जा रहे हैं

इन जन सुरक्षा योजनाओं को लोकप्रिय बनाने के लिए इससे जुड़े सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए डॉ. कराड ने उन्हें इन योजनाओं से जुडऩे वाले लोगों की संख्या (कवरेज) और बढ़ाने के प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) एक साल की जीवन बीमा योजना है जो किसी भी कारण से होने वाली मृत्यु को कवर करती है। इसका साल-दर-साल नवीकरण किया जाता है। 18-50 वर्ष के आयु वर्ग के व्यक्ति जिनके पास एक व्यक्तिगत बैंक या डाकघर खाता है, योजना के तहत नामांकन के लिए पात्र हैं। 50 वर्ष की आयु पूरी करने से पहले योजना में शामिल होने वाले लोग नियमित प्रीमियम के भुगतान पर 55 वर्ष की आयु तक जीवन के जोखिम को जारी रख सकते हैं। 436 रुपये प्रति वर्ष की प्रीमियम पर किसी भी कारण से मृत्यु के मामले में 2 लाख रुपये का जीवन कवर मिलता है। योजना के तहत नामांकन खाताधारक के बैंक की शाखा/बीसी पॉइंट या बैंक की वेबसाइट पर जाकर या डाकघर बचत बैंक खाते के मामले में डाकघर में किया जा सकता है। योजना के तहत प्रीमियम खाताधारक के एकमुश्त शासनादेश के आधार पर ग्राहक के बैंक खाते से हर साल ऑटो डेबिट किया जाता है।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) एक साल की दुर्घटना बीमा योजना है जो दुर्घटना के कारण मृत्यु या दिव्यांगता के लिए कवरेज प्रदान करती है और यह साल-दर-साल नवीकरणीय है। 18-70 वर्ष के आयु वर्ग के व्यक्ति जिनके पास एक व्यक्तिगत बैंक या डाकघर खाता है, योजना के तहत नामांकन के लिए पात्र हैं। दुर्घटना के कारण मृत्यु या दिव्यांगता के लिए 20 रुपये प्रति वर्ष की प्रीमियम पर 2 लाख रूपये (आंशिक विकलांगता के मामले में एक लाख रुपये) का दुर्घटना मृत्यु सह विकलांगता कवर मिलता है।

वित्तीय संकट से जूझ रही गो फस्ट पर डीजीसीए का एक्शन, टिकटों की बुकिंग पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश

नई दिल्ली। एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने वित्तीय संकट से जूझ रही एयरलाइन कंपनी गो फस्ट को टिकटों की बुकिंग और बिक्री पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही डीजीसीए ने कंपनी से लोगों को पैसे वापस करने का प्रोसेस शुरू करने को कहा है।

डीजीसीए ने गो फस्ट को नोटिस जारी करते ये बताने को कहा है कि अचानक कैंसिल हुई इन फ्लाइट्स के चलते आपके ऊपर कोई कार्यवाही क्यों नहीं किया जाए और आपका लाइसेंस क्यों रद्द नहीं किया जाए। एयरलाइन को इसका जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है।

इसके पहले गो फस्ट ने ट्विटर पर बताया था कि एयरलाइन ने ऑपरेशनल दिक्कतों के चलते 12 मई, 2023 तक अपनी सभी शेड्यूल्ड विमानों की उड़ानों को रद्द कर दिया है।

केनरा बैंक का चौथी तिमाही का मुनाफा 91 प्रतिशत बढ़ कर 3175 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने 31 मार्च 2023 को समाप्त पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 3175 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दिखाया है। यह एक साल पहले इसी अवधि की तुलना में 90.63 प्रतिशत अधिक है।

बैंक के निदेशक मंडल ने शेयरधारकों को 120 प्रतिशत की दर से प्रति शेयर 12 रुपये का लाभांश और कर्मचारियों को 15 दिन के वेतन के बराबर प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव किया है।

वर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 1666.22 करोड़ रुपये था और बैंक ने उस बार 6.5 रुपये प्रति शेयर का लाभांश दिया था।

केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य अधिशासी अधिकारी (सीईओ) के सत्यनारायण राजू ने बैंक के तिमाही और वार्षिक वित्तीय कार्य और वित्तीय प्रदर्शन की जानकारी देते हुए संवाददाताओं को बताया कि चौथी तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय एक वर्ष पहले के 7006 करोड़ रुपये की तुलना में 23 प्रतिशत बढ़ कर 8616 करोड़ रुपये हो गयी।

मार्च 2023 की तिमाही में बैंक का परिचालन लाभ वार्षिक आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7252 करोड़ रुपये रहा और मार्च के अंत में सकल अवरुद्ध सम्पत्ति (वसूल नहीं हो रहा सकल कर्ज) का अनुपात 5.35 प्रतिशत था जो मार्च 2022 में कुल कर्ज के 5.89 प्रतिशत के बराबर था। पिछले वित्त वर्ष के अंत में बैंक की घरेलू बाजार में कुल जमा छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10.94 लाख करोड़ रुपये रही।

मार्च 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में केनरा बैंक का वैश्विक कारोबार सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़ कर 20.41 लाख करोड़ रुपये रहा। वर्ष के अंत में इसकी वैश्वक स्तार पर कुल जमा 11.79 लाख करोड़ रुपये थी। बैंक का खुदरा कर्ज कारोबार इस दौरान सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.4 लाख करोड़ रुपये और आवास ऋण 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 84364 करोड़ रुपये रहा। राजू ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में बैंक के कार्पोरेट कर्ज कारोबार में 20.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी जिसमें कुछ योगदान पेट्रोलियम कंपनियों को दिए गए अल्पकालिक कर्ज का भी योगदान है।

सचिन की विश्व चैंपियनशिप में विजयी शुरुआत, नवीन, गोविंद हारे

ताशकंद। भारतीय मुक्केबाज सचिन सिवाच (54 किग्रा) ने मोल्दोवा के सर्गेई नोवाक को हराकर अपने पहले विश्व चैंपियनशिप अभियान की विजयी शुरुआत की, हालांकि उनके हमवतन नवीन (92 किग्रा) और गोविंद साहनी (48 किग्रा) अंतिम-16 के मुकाबले हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गये।

पूर्व विश्व यूथ चैंपियन सचिन ने अपने तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए नोवाक को 5-0 से हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी, जहां उनकी भिड़ंत शीर्ष वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान के मखमुद सबिरखान से होगी।

सचिन ने शुरुआत से ही अपनी स्थिति मजबूत रखी और नोवाक पर लगातार हमला किया।

उन्होंने पहले राउंड में अपनी लंबी कद-काठी का लाभ उठाते हुए विपक्षी मुक्केबाज को जवाबी हमले करने का मौका नहीं दिया। दूसरे राउंड में सचिन ने लगातार मुक्के बरसाए, जिसमें एक बाएं मुक्के के बाद जमाया गया दर्शनीय दाहिने हाथ का प्रहार शामिल था। उनका बचाव भी उनके हमलों जितना ही मजबूत था जिससे उन्होंने नोवाक के प्रयासों को बेअसर किया।

पहले दो राउंड अपने पक्ष में जाने के बावजूद सचिन ने अंतिम तीन मिनट में भी अपने मुक्कों को कम नहीं किया और 5-0 से हराया।

इसी बीच, भारतीय मुक्केबाज नवीन को स्पेन के इमैनुअल प्ला रेयेस के हाथों 0-5 की हार का सामना करना पड़ा। उनके हमवतन गोविंद साहनी (48 किग्रा) को जॉर्जिया के अलखवेर्दोवी सखील ने 5-0 से मात दी।

दीपक (51 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा) और आकाश सांगवान (67 किग्रा) मंगलवार को अपने-अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के लिए रिंग में उतरेंगे। दीपक (51 किग्रा) का सामना चीन के जियामाओ झांग से होगा जबकि निशांत फिलिस्तीन के निदाल फोकाहा से भिड़ेंगे। आकाश को कजाकिस्तान के दुलत बेकबाउव के खिलाफ अपनी चुनौती पेश करनी है।

एशियाई चैंपियनशिप ग्रुप बी में अजीत ने हासिल किया पहला स्थान

जिंजु। भारतीय भारोत्तोलक अजीत नारायण और अचिंता श्युली एशियाई चैंपियनशिप में पुरुषों की 73 किग्रा स्पर्धा के ग्रुप बी में क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर रहे।

अपने पहले सीनियर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे अजीत ने कुल 307 किग्रा (139 किग्रा + 168 किग्रा) भार उठाया, जबकि अचिंता ने 305 किग्रा (140 किग्रा + 165 किग्रा) भार उठाया।

दोनों भारोत्तोलकों को उनके प्रवेश भार के आधार पर ग्रुप बी सौंपा गया था। उच्चतम प्रवेश भार दर्ज करने वाले भारोत्तोलकों को समूह-ए में रखा जाता है। इसी तरह अन्य भारोत्तोलकों को क्रमश: ग्रुप-बी, ग्रुप-सी आदि में रखा जाता है।

मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन अजीत ने अपने शुरूआती दो स्नैच प्रयासों में 135 किग्रा और 139 किग्रा भार उठाया, लेकिन 141 किग्रा के अपने अंतिम प्रयास में वह असफल रहे।

इसी तरह उन्होंने क्लीन एंड जर्क में 164 किग्रा और 168 किग्रा आसानी से उठा लिया, लेकिन 171 किग्रा के अपने अंतिम प्रयास में वह लडख़ड़ा गये।

इसी बीच, 2021 जूनियर विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्युली ने अपने दूसरे स्नैच प्रयास में 140 किग्रा भार उठाया, जबकि इसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 143 किग्रा है।

वह क्लीन एंड जर्क में भी 165 किग्रा भार उठाने के बाद 169 और 171 किग्रा के प्रयास में विफल रहे थे। उन्होंने पिछले साल बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने के लिये क्लीन एंड जर्क में 170 किग्रा भार उठाया था।

भारत ने इस तरह तीन रजत पदकों के साथ विश्व चैंपियनशिप में अपना अभियान समाप्त किया, जिसमें से दो बिंद्यारानी देवी ने और एक यूथ ओलंपिक चैंपियन जेरेमी लालरिनिंगा ने जीता।

फिल्म बंदा का ट्रेलर रिलीज, मनोज बाजपेयी ने वकील बन लड़ी सच और इंसाफ की लड़ाई

मनोज बाजपेयी उन कलाकारों में शुमार हैं, जो अपना हर किरदार इतनी शिद्दत से निभाते हैं कि पर्दे पर उनका अभिनय, अभिनय की तरह लगता ही नहीं है। लगता है मानों वह असल में उसी किरदार में जीते हों। पिछले कुछ दिनों से मनोज अपनी कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म बंदा को लेकर सुर्खियों में हैं। इसका ऐलान होने के बाद से ही दर्शकों को इसके ट्रेलर का इंतजार था, जो अब आखिरकार खत्म हो गया है।

बंदा की कहानी सच्चाई की यात्रा को लेकर लडऩे वाले शख्स के इर्द-गिर्द घूमती है। ट्रेलर के मुताबिक, मनोज फिल्म में राजस्थान में सेशंस कोर्ट के साधारण से वकील पूनम चंद सोलंकी का किरदार निभा रहे हैं, जिन्होंने अपने दम पर भारत के सबसे प्रतिष्ठित वकीलों और बाधाओं के खिलाफ एक असाधारण-सा केस लड़ा और सबके छक्के छुड़ाए। तमाम धमकियों के बीच वह सच सामने लाने को आतुर हैं। एक वकील के किरदार में मनोज खूब जंच रहे हैं।

तमाम लोगों के लिए भगवान बन चुका आसाराम बापू 16 वर्षीय बच्ची का रेप करने के कारण जेल में है और उसे सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम सोलंकी ने किया।

विद्युत जामवाल की आईबी71 को मिला यू/ए सर्टिफिकेट, 12 मई को दर्शकों के बीच आएगी फिल्म

अभिनेता विद्युत जामवाल काफी समय से फिल्म आईबी71 को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें अभिनेता अनुपम खेर भी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि यह विद्युत की प्रोडक्शन कंपनी एक्शन हीरो फिल्म्स की पहली फिल्म है। आईबी71 को सेंसर बोर्ड ने यू/ए सर्टिफिकेट देकर पास कर दिया है। इसका मतलब है कि इस फिल्म को बच्चे बड़ों की निगरानी में देख सकते हैं। यह फिल्म 1 घंटा, 59 मिनट और 37 सेकंड की होगी।

आईबी71 12 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इसमें अनुपम और विद्युत के अलावा विशाल जेठवा भी है। इसका निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संकल्प रेड्डी ने किया है। आईबी71 भारतीय खुफिया एजेंसियों और पाकिस्तानी एजेंसियों के बीच दो मोर्चों पर युद्ध के इर्द-गिर्द घूमती है।

आज का राशिफल

मेष : आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन पिछले कुछ दिनों से बेहतर रहेगा। कार्य क्षेत्र पर अतिरिक्त आय के साधन बनेंगे। रुके हुए कार्य पूर्ण होने से भी धन लाभ होगा। सामाजिक गतिविधियों में पूरा समय ना दे पाने से लोगों से किसी से नाराजगी रहेगी।

वृष : आज का दिन मिश्रित फल देगा पूर्वार्ध में सेहत थोड़ी नरम रह सकती है जिसके कारण आलस्य भी रहेगा। काम बेमन से करने पड़ेंगे व्यवहार में भी रुखापन रहने से संबंधो में खटास रहेगी।

मिथुन : आज भी दिन का अधिकांश समय शांति से व्यतीत होगा। थोड़ी आर्थिक परेशानियां रह सकती है परंतु मानसिक रूप से दृढ़ रहेंगे। जिस भी कार्य को करने की ठानेंगे उसे हानि-लाभ की परवाह किये बिना पूर्ण करके छोड़ेंगे।

कर्क : आज दिन के आरम्भ में बनते कार्यो में रुकावट आने से अधिक भाग-दौड़ करनी पड़ेगी। मध्यान तक थोड़े बहुत कार्य सफल होने से धन की आमद होगी परन्तु खर्च भी अधिक रहने से बचत नहीं कर पाएंगे।

सिंह : आज के दिन आप व्यापारिक गतिविधियों की व्यस्तता के चलते परिवार के लिए ज्यादा समय नहीं निकाल पाएंगे। वाणी एवं व्यवहार के बल पर कार्यो में थोड़े परिश्रम से अधिक सफलता मिल सकेगी।

कन्या : आज आप अधिक लापरवाह रहने के कारण हानि उठा सकते है। प्रात: काल से ही यात्रा पर्यटन की योजना बनेगी परन्तु इसमें व्यवधान भी आएंगे। कार्य क्षेत्र पर अल्प लाभ से संतोष करना पड़ेगा।

तुला : व्यवसाय के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयास आज फलीभूत होने से आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को भी रोजगार मिलने की सम्भावना अधिक है। आपसे वाद-विवाद में कोई नहीं जीत पायेगा।

वृश्चिक : आज का दिन आपको सुख शांति प्रदान करेगा। कुछ दिनों से चल रही मानसिक खींच तान कम होने से राहत अनुभव होगी। कार्य क्षेत्र पर केवल धन लाभ पाने के उद्देश्य से कार्य ना करे व्यवहार में कुशलता एवं मिठास रखने से अप्राप्त लक्ष्मी भी प्राप्त कर सकते है।

धनु : आज के दिन आप कार्य क्षेत्र से कुछ समय निकालकर मित्र परिवार के साथ मनोरंजन में व्यतीत करेंगे परन्तु आज गलतफहमियों से दूर रहना अति आवश्यक है व्यर्थ के टकराव होने की संभावना है।

मकर : आज के दिन आप भावनाओ में बहकर अनुचित कदम उठा सकते है। लोगो के बहकावे में ना आये अन्यथा मान हानि कोर्ट-कचहरी की नौबत आ सकती है। प्रेम प्रसंगों से आज दूरी बनाना ही बेहतर रहेगा।

कुंभ : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। सेहत लगभग सामान्य रहेगी। आज किसी अनुबंध के आगे रुकने से धन लाभ की कामना अधूरी रहेगी। व्यवसाय के ऊपर अधिक ध्यान देने के बाद भी कार्य विलम्ब से पूर्ण होंगे लाभ के कई अवसर मिलेंगे ।

मीन : आज के दिन ग्रह स्थिति में थोड़ा बदलाव आने से आपको घरेलु मामलो में सफलता मिलेगी। परन्तु आज कार्य क्षेत्र पर अन्य व्यक्ति आपकी कमजोरी का फायदा उठा सकता है। आज किसी के आगे समर्पण कर सकते है इसका फल शुभ ही रहेगा।

लौकी से बनाएं टेस्टी खीर

लौकी की खीर घर में आए मेहमानों के लिए या खास मौकों पर भी बना सकते हैं। आइए जानते हैं बनाने की विधि।

विधि :

- सबसे पहले दूध उबाल लें।
- लौकी को छीलकर कद्दूकस कर लें। घीया में से सारा अतिरिक्त पानी निचोड़ कर निकाल दीजिये और इसे एक प्याले में निकाल लीजिये।
- अब एक कड़ाही में घी गर्म करें और कद्दूकस किया हुआ लौकी डालें, लगभग 5-6 मिनट तक भुनें।
- भुने हुए लौकी को उबलते दूध में चीनी और कुटी इलाइची के साथ डाल दीजिए।
- साथ ही किशमिश के साथ बारीक कटे हुए बादाम और काजू भी डाल दीजिए।
- इसे गाढ़ा होने तक चलाते रहें। अब गैस बंद कर दें।
- इसे ठंडा होने दें और आनंद लें।

परफेक्ट है वेज आटा चीला

जल्दी और आसानी से बनने वाले नाश्ते के लिए चीला एक बेहतरीन विकल्प है। अगर आप झटपट तैयार होने वाला चीला बनाना चाहते हैं, तो हम आपके लिए लाए हैं स्वादिष्ट वेजिटेबल आटा चीला की रेसिपी।

विधि :

सबसे पहले एक कटोरी में आटा, दही, अजवायन, नमक और हल्दी डालकर मिक्स करें। अब इसमें जरूरत के मुताबिक पानी डालकर चीला का बैटर तैयार कर लें।

इसके बाद सारी सब्जियां डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लीजिए।

अब एक तवा गर्म करें और तेल से इसे चिकना करें।

इसके बाद तवे पर चीला बैटर डालें और इसे अच्छी तरह फैलाएं।

अब दोनों तरफ से पकाएं और गरमागरम परोसें।

शब्द सामर्थ्य- 59

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंतत:, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

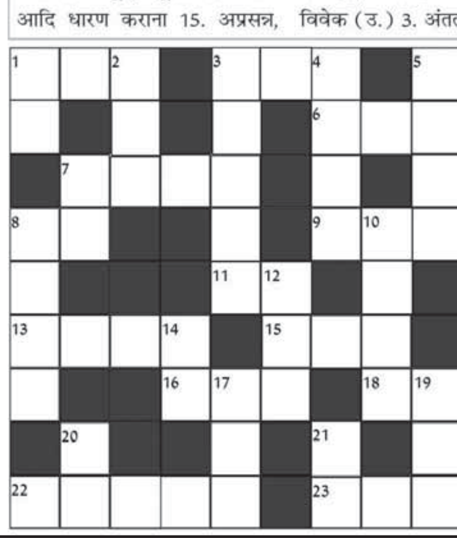

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 058 का हल

चु	स्त	■	मु	■	सं	स्था	न	■
ग	■	म	र्दा	न	गी	■	त	म
ली	प	ना	■	■	त	न	■	■
■	ना	ना	■	■	■	■	ज	■
मा	ह	■	रा	■	सा	ज	न	■
न	■	स	ह	दे	व	■	म	द
व	■	म	■	व	न	ज	■	ल
ता	क	त	व	र	■	मी	■	द
■	ल	ल	क	■	क	र	त	ल

सू-दोकू- 59

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.058 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	6	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5